फसलों का हाल | कोहरे से तिलहन पर संकट, आलू की फसल भी प्रभावित

गेंदा किसानों की बढ़ी मुश्किल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ और उसके आसपास इलाकों में खेतों में सरसों, आलू, टमाटर, मिर्च, चप्पन कद्दू, बैगन एवं मटर की फसल तैयार है। ऐसे में कोहरा और पाला दोनों ही असर डाल रहा है। चन्द्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह बताते हैं कि कोहरे से आलू की फसल बहुत तेजी से प्रभावित हो रही है। अगर आगे भी ऐसा ही मौसम बना रहा तो आलू की फसल पर झुलसा की समस्या खड़ी हो जाएगी।

सरसों के पौधों की रुकी वृद्धि, 70 फीसद नुकसान : कृषि वैज्ञानिक का कहना है कि सरसों की अधिकतर प्रजातियां पुष्पन अवस्था में हैं। कुछ प्रजातियों में तो फलियां भी बन रही हैं। ठंड का प्रकोप बढ़ने से पौधों की वृद्धि रुकी हुई है। धूप न निकलने से फोटोसिंथेसिस की क्रिया

आलू की फसल पर कवकनाशी का छिड़काव करता किसान।

प्रभावित हुई है, ऐसे में 70 फीसद उत्पादन कम होने के आसार हैं।

गेहूं में कल्ले बनना बंद : गेहूं की फसल की पहली सिंचाई अधिकतर किसानों ने प्रारंभ कर दी है। कृषि वैज्ञानिक बताते हैं कि अधिक ठंड पड़ने से गेहूं में कल्ले बनना बंद हो गए हैं। यही स्थिति बनी रही तो गेहूं की फसल भी प्रभावित होगी।

ये हैं रोग के लक्षण : कृषि विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि यदि आलू की पत्तियों पर भूरे रंग के चिन्ह दिखाई दें और टिशु हल्के हो जाएं। साथ ही पौधे की पत्तियां पानीदार दिखाई पड़ने लगें। तो समझना चाहिए कि फसल पर झुलसा का प्रकोप प्रारंभ हो गया है।

इस तरह से होगा फसलों का बचाव

कृषि विशेषज्ञ ने बताया कि मेटालैक्सिल 8 फीसद और मैकोंजेब 64 फीसद के साथ फफूंदी नाशक की 3 ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आलू की फसल पर छिड़काव करने से इस बीमारी से बचा जा सकता है। टमाटर की फसल को लेकर कहते हैं कि मैंगोजेब 75 फीसद डब्लूजी की 3 ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करें। जिन किसानों का आलू 70 दिन का हो गया है वो 100 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें तथा साथ में 4 किलोग्राम सल्फर प्रति एकड़ प्रयोग करें।